ई-बीट बुक से हाईटेक होगी पुलिस एक क्लिक पर सामने होंगे क्रिमनल

पुलिस विभाग एक विशेष सॉफ्टवेयर से लैस टैबलेट देने जा रही बीट पुलिसकर्मियों को

अविनाश शर्मा

चंडीगढ़। यूटी पुलिस डिपार्टमेंट हाईटेक पुलिसिंग में अब पड़ोसी राज्यों से आगे निकलने की तैयारी में है। मॉडर्नाइजेशन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पुलिस विभाग अब ऐसे एक सॉफ्टवेयर को व्यवहार में लाने की तैयारी में है, जिसकी मदद से न केवल पुलिसिंग को बल मिलेगा बल्कि आम जनता और सीनियर सिटीजन भी उसका फायदा उठा सकेंगे। यहां तक की जघन्य अपराध को अंजाम दे चुके, आपराधिक व शरारती प्रवृति के लोग, कितने अपराधी सजा काट चुके हैं या जेल में हैं और भगोड़े आरोपी भी महज एक क्लिक पर पुलिस की नजर के सामने होंगे।

यही नहीं जल्द ही विभाग बीट पुलिसकर्मियों को टैबलेट (ई-बीट बुक) सौंपकर उन्हें हाईटेक बनाने जा रहा है। इस टैबलेट के लिए तैयार किए जा रहे सॉफ्टवेयर में समूचे शहर की वह सभी मुख्य जानकारियां और सुविधाएं होंगी। इससे बीट के पुलिसकर्मी रोजमर्रा की ड्यूटी में सभी अहम जानकारियां एक क्लिक पर हासिल कर सकेंगे। सॉफ्टवेयर की मदद से पुलिसकर्मी एप में लॉग-इन कर उनके इलाके के बार, गन हाउस, सिनेमाघर, साइबर कैफे, पेट्रोल पंप, मंदिर, गुरुद्वारा साहिब व अन्य धार्मिक स्थल सहित धर्मशालाएं, गेस्ट हाउस, होटल, पीजी, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, वाइन शॉप, विभिन्न पर्यटन स्थल, हर सेक्टर के मुख्य प्वाइंट्स, सामान्य व वीआईपी रूट की जानकारी समेत अन्य जानकारियों को एक क्लिक पर हासिल कर सकेंगे।

एप में लॉग-इन कर पुलिसकर्मी जान पाएंगे एरिया के बारे में जानकारी

पता लगा सकेंगे बुजुर्गों की संख्या समेत गन हाउस, बार, सायबर कैफे व पेट्रोल पंप समेत गेस्ट हाउस व होटलों के बारे में

व्यवस्था को अधिक से अधिक मजबूत बनाकर शहरवासियों को सुरक्षित व सुखद माहौल देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ई-बुक से न केवल पुलिस, बल्कि सीनियर सिटीजन और अन्यों को लाभ मिल सकेगा। ई-बीट बुक के माध्यम से चंडीगढ़ को अपराध मुक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। **-निलांबरी जगदले, एसएसपी**

तेलंगाना और गुजरात में है ई-बीट बुक

पुलिस की कार्यप्रणाली में बीट के पुलिसकर्मियों के लिए ई-बीट बुक अब तक न तो पंजाब-हरियाणा में है और न ही हिमाचल प्रदेश व राजस्थान और अन्य जगहों पर। अब तक इस सुविधा को केवल तेलंगाना और गुजरात पुलिस विभाग ही अपनी कार्यप्रणाली में शामिल कर सका है। अब चंडीगढ़ ऐसी पहली सिटी बनने जा रहा है, जहां पुलिसकर्मियों के हाथ में इस ई-बुक को देखा जा सकेगा।

मिलेगी अधिक स्टोरेज और कैप्चर की सुविधा

- बीट के पुलिसकर्मियों की ई-बीट बुक में किसी भी जानकारी को स्टोर करने सहित फोटोज व वीडियो को कैप्चर करने की सुविधा भी होगी।
- पुलिस विभाग टैबलेट के रूप में दी जाने वाली ई-बुक में अधिक से अधिक स्टोरेज कैपेसिटी रखने जा रहा है।
- ई-बुक के व्यवहार में आने पर पुलिस विभाग के अधिकारी बीट के पुलिसकर्मियों के कार्यों समेत आपराधिक रिकॉर्ड को नजर में लाकर विश्लेषण कर सकेंगे।
- इससे पुलिस विभाग एक क्लिक पर तय करेगा कि किस इलाके पर किस माध्यम से अपराध की रोकथाम के मद्देनजर फोकस किया जाए। किस इलाके में सामाजिक व धार्मिक दृष्टिकोण से लोगों को जागरूक करना जरूरी होगा।
- शहर की कालोनियों और गांव में किन-किन जगहों पर किस नेचर का क्राइम या विवाद अधिक है, पुलिस इसका भी विश्लेषण आसानी से कर सकेगी।

सीनियर सिटीजन एप हो सकेंगे कनेक्ट

सीनियर सिटीजन की सुविधा के मद्देनजर यूटी पुलिस ने बीते दिनों चंडीगढ़ पुलिस सीनियर सिटीजन सिक्योरिटी एप तैयार की हैं। इसके जरिए सीनियर सिटीजन अपने मोबाइल नंबर व मोबाइल पर मिले ओटीपी को टाइप करने अपनी पूरी प्रोफाइल अंकित कर परिजनों, पड़ोसियों और उन अपनों के नंबर एड कर सकते हैं, जिनसे वे इमरजेंसी के समय संपर्क करना चाहते हों। एप में लॉग-इन के बाद एक लाल रंग का चिन्ह दिखाई देगा। इमरजेंसी में होने पर यदि लाल रंग के चिन्ह पर क्लिक किया तो पुलिस समेत आपके परिजनों और पड़ोसियों को स्वयं आपका अलर्ट मिल जाएगा। इसके बाद सभी से आपको मदद मिल सकेगी।

डेमो वीडियो तैयार

इस सीनियर सिटीजन एप को भी पुलिस विभाग बीट पुलिस की ई-बुक से कनेक्ट करने पर विचार कर रहा है ताकि हर सीनियर सिटीजन को घर के अंदर और बाहर सुखद जीवन मिल सके। सीनियर सिटीजन एप बारे अधिक लोगों को पता नहीं होने के चलते सेकेंड इनिंग्स एसोसिएशन के संचालक आरके गर्ग ने एक डेमो वीडियो तैयार की है और जागरूकता के लिए इसका अधिक से अधिक प्रसार किया जा रहा है।

Amar Ujala Dt:19-11-2018

Police and other people paying tribute to road accident victims on World Remembrance Day at Children Traffic Park Sector 23. DP

Daily Post Dt: 19/11/2018